www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 04 | जौनपुर, सोमवार, 17 अगस्त 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान पर कॉजपा प्रवक्ता सौरव दास ने साधा निशाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन में ''दिमागी नक्सल'' के उल्लेख को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केवल सरकार पर सवाल उठाने के कारण पढ़े-लिखे युवाओं को ''नक्सली'' करार नहीं दिया जा सकता। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जहां सशस्त्र नक्सलवाद का खतरा अब समाप्ति की ओर है, वहीं ''दिमागी नक्सल'' सोच रखने वाले कुछ लोग ऐसे हैं, जो हिंसा और अशांति फैलाने के मौके तलाश रहे हैं तथा देश को गलत दिशा में ले जाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें अलग–थलग करने की जरूरत है और युवाओं को मुख्यध ारा से जोड़ना चाहिए। दास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री जी, 'दिमागी नक्सल' या ऐसी कोई भी बात काम नहीं आएगी। आप पढ़े–लिखे युवाओं को नक्सली वगैरह कैसे कह सकते हैं? सिर्फ इसलिए कि वे आपकी सरकार से सवाल पूछते हैं? यह सरासर अहंकार है। उनकी समस्याओं को हल करने में पूरी तरह नाकामी है।'' कॉजपा प्रवक्ता ने कहा, ''बदलाव की घंटी बज चुकी है। जागने का समय आ गया है।

95 हजार से अधिक लोग सुरक्षित निकाले गए, 6 जिलों में स्थिति गंभीर

ओडिशा, (एजेंसी)। ओडिशा के छह जिलों में लगातार भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद राज्य प्रशासन ने निचले इलाकों से 95 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी के अनुसार कुल 95,206 प्रभावितों को 226 राहत शिविरों में ठहराया गया है, जहां भोजन और चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं। स्थिति पर नजर रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में राहत और आपातकालीन कार्यों के लिए 118 प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए हैं। ओडिशा के छह जिलों में शनिवार को बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही। पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण राज्य सरकार ने निचले इलाकों से 95 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार बाढ़ से बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज, क्योंझर और केंद्रपाड़ा जिलों के 52 प्रखंडों के 503 गांवों में लगभग 2.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इन जिलों में बैतरणी, ब्राह्मणी, जालका और बुधबलंगा नदियों तथा उनकी सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उत्तरी ओडिशा में बारिश जारी रहने के बीच राज्य प्रशासन ने बचाव और राहत कार्यों को तेज कर दिया है।

उनका बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणा - सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने रानी अवंती बाई लोधी को 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना बलिदान देकर मिसाल कायम की। उनका बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्र के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर

दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में कोई संकोच नहीं किया। रानी अवंती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए संघर्ष किया गया। आज भी हर व्यक्ति श्रद्धा के साथ उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान और बलिदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। सीएम ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए सरकार ने महिला पीएसी की तीन नई बटालियन के गठन की दिशा में काम आगे बढ़ाया है। इन बटालियनों का नामकरण वीरांगनाओं के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि बदायूं में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई वाहिनी का गठन लगभग पूरा हो चुका है। वहां रानी अवंती बाई लोधी की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। वहीं, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर महिला पीएसी बटालियन के गठन का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों स्थानों पर संबंधित वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में भी काम चल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते थे।

वंदे मातरम का अनादर राष्ट्रीय अपराध, कांग्रेस देश से मांगे माफी – सीएम केशव

प्रयागराज, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को सर्किट हाउस में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का अनादर करने वालों और इस पर राजनीति करने को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रगीत वंदे मातरम का अनादर करना एक प्रकार का राष्ट्रीय अपराध है और इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व को देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।यहां संवाददाताओं से हुई बातचीत में केशव ने कहा कि देश को जब आजादी मिली, उस समय भी तुष्टिकरण की नीति के चलते वंदे मातरम का अपमान किया गया और इसे गाने से मना किया गया, जिसके दुष्परिणाम देश को भुगतने पड़े। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता, मां दुर्गा, मां सरस्वती और मां लक्ष्मी के प्रति आराधना व देशप्रेम की सच्ची भावना है। कांग्रेस मुख्यालय में 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' गायन के समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी के आपस

में बातचीत करते दिखाई देने पर विवाद खड़ा हो गया। इस पर डिप्टी सीएम ने मांग की कि जिन लोगों ने राष्ट्रगीत का अनादर किया है और इसे गाने से इंकार किया है, वह चाहे सोनिया गांधी हों, राहुल गांधी हों या मल्लिकार्जुन खड़गे हों, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश राष्ट्रगीत वंदे मातरम का अपमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं कर सकता क्योंकि यह स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों का भी अनादर है।

वंदे मातरम' के अपमान पर किस पर भड़के अमिल शाह

चित्तौड़गढ, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान दौरे पर हैं। अमित शाह ने रविवार दोपहर करीब 12 बजे चित्तौड़गढ़ के निंबाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा जेके सर्किल पर बनाए गए मिनी अटल स्मारक में स्थापित की गई है।

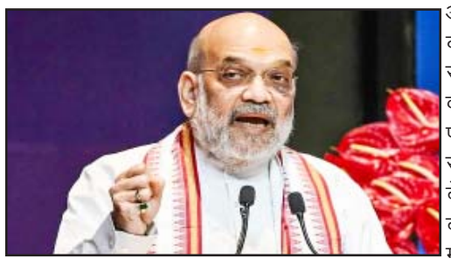

अंबेडकर कॉलेज के खेल मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। वंदे मातरम के 150वें साल पर प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से वंदे मातरम को फिर से आयुष देने का काम किया है। कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए, कांग्रेस मुख्यालय पर वंदे मातरम के गान के दौरान कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष को वंदे मातरम का गान रोकने के लिए कहा। टीवी पर हम सबने देखा, कैसे वंदे मातरम का अपमान किया गया। सोनिया गांधी जी ये देश आपको माफ नहीं करेगा। कोई सपने में भी कैसे सोच सकता है कि वंदे मातरम का गान बीच में छोड़ दिया जाए। कांग्रेसियों को शर्म आनी चाहिए, जरा भी शर्म बची है तो हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और जनता से माफी मांगनी चाहिए। गृह मंत्री अमित शाह निंबाहेड़ा में कार्यक्रम के बाद रविवार दोपहर करीब 3 बजे अलवर के विजयनगर ग्राउंड पहुंचेंगे।

श्रावण मास के तृतीय सोमवार व नागपंचमी पर नागेश्वर नाथ सहित प्रमुख शिव मंदिरों व शिवालयों पर कवरियों व शिवभक्तों की रही भीड़

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। सावन माह के तृतीय सोमवार व नागपंचमी पर नागेश्वर नाथ व अन्य शिवालयों तथा शिव जी के मंदिरों पर भोर से ही शिवभक्तो की भीड़ उमडी।कावड़ियों शिव भक्तों की भारी संख्या में भी पिछले दिनों से ही दिखाई दे रही थी।जो सरयू नदी के आसपास तथा नागेश्वर नाथ मंदिर के साथ साथ अन्य शिवालयों,शिव मंदिरों पर दिखाई दी।बोल बम हर हर महादेव गेरुआ वस्त्र धारण किए शिव भक्तों से पूरी रामनगरी भक्ति में हो रही थी।वही नाग पंचमी पर महिलाए व अन्य शिव भक्त नागेश्वर नाथ सहित अन्य प्रमुख मंदिरों पर अपने आराध्य शिव जी के पूजन अर्चना के लिए दिखाई दिए।जिसके चलते रामपथ सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर शिव भक्तों की भारी संख्या में भी दिखाई दिया। वही सुरक्षा की दृष्टि को देखते हुए रविवार से डीएम शशांक

त्रिपाठी,एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने थाना कोतवाली अयोध्या प्रभारी निरीक्षक पंकज सिंह, थानाध्यक्ष राम जन्मभूमि सुमित श्रीवास्तव, महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला, अन्य पुलिस कर्मियों व अधिकारियों के साथ अयोध्या धाम के नागेश्वर नाथ मंदिर सहित अन्य प्रमुख शिवालयों सरयू घाट पर सुबह तक निरीक्षण करते हुए दिखाई दिए।वही सरयू घाट पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना ना हो इसके लिए नोडल प्रभारी सरयू घाट सीएफओ एमपी सिंह पर्याप्त संख्या में जल पुलिस,पीएससी, सहित अन्य सुरक्षा कर्मियों के साथ दिखाई दिए।भीड़ को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहे।इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे।रामनगरी के प्राचीन नागेश्वर नाथ मंदिर के अलावा अन्य प्रमुख शिव मंदिरों व प्रमुख शिवालयों की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यकता अनुसार बैरिकेडिंग भी लगाए गए थे।इन मंदिरों पर दर्शन के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थित ना उत्पन्न हो इसके लिए प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश तथा निकास के द्वारा अलग–अलग बनाए गए थे।श्रद्धालुओं तथा कांवरियों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों के अलावा बम निरोधक दस्ते, के अलावा महिला सुरक्षा कर्मियों की भी तैनाती आवश्यकता अनुसार इन मंदिरों पर रही।वहीं सरयू के प्रमुख घाटों पर जल पुलिस सक्रिय दिखी।श्रावण मास के खासकर तीसरे सोमवार व नागपंचमी को सावन मेले के दौरान विभिन्न गतिविधियों को सुरक्षा कर्मियों के द्वारा सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से निगरानी की जा रही थी।बताते चलें रामनगरी में प्राचीन शिव मंदिर नागेश्वर नाथ के अलावा,क्षीरेश्वर नाथ मंदिर,पंचमुखी मंदिर, झारखंडेश्वर महादेव विघ्नेश्वर महादेव सहित अन्य प्रमुख शिवालयों व शिव मंदिरों पर खासकर श्रावण मास के सोमवार के दिन शिव भक्तों की काफी भीड़ रहती है जिसको देखते हुए प्रशासन पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रही।

मुझे गर्व है, पीएम मोदी ने सावधान रहने के लिए कहा था - चिदंबरम

मुबई, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में नक्सलवाद और माओवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का जिक्र करते हुए 'दिमागी नक्सलियों' को लेकर चेताया था और कहा था कि उनके वैचारिक समर्थक व्यवस्था में घुसपैठ कर नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में आगाह किया था। मोदी ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोग सिस्टम में घुसपैठ कर चुके हैं और नीतियों में हेरफेर करके समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से उन्हें श्पहचानने और अलग–थलग

करनेश की अपील भी की थी। 'दिमागी नक्सल' विवाद पर पीएम मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि जो लोग उनका विरोध करते हैं, उन्हें 'दिमागी नक्सल' कहा जाता है। इन 'दिमागी नक्सलियों' ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। चार साल तक वे कहते रहे कि जातिगत जनगणना नहीं होगी। फिर 30 अप्रैल 2025 को उन्होंने घोषणा की कि जातिगत जनगणना कराई जाएगी। जो भी सवाल उठाता है या उन्हें चुनौती देता है, उसे किसी न किसी नाम से पुकार दिया जाता है। क्या सामाजिक न्याय की मांग करना 'दिमागी नक्सल' है? लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन इसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने एक्स पर लिखा, श्मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है!श अपनी टिप्पणी में मोदी ने कहा था, श्वर्षों तक माओवादी सोच वाले लोगों ने सत्ता के गलियारों में अपनी जगह बना ली थी। वे सरकारी समितियों में सलाहकार के तौर पर काम करते थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार गोवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे मल्लिकार्जुन खरगे

गोवा, (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे पहली बार एक दिवसीय दौरे पर गोवा पहुंच रहे हैं, जहां वे सोमवार को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। दक्षिण गोवा के वेरना गांव में आयोजित इस कार्यक्रम को आगामी राज्य विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। वर्तमान में 40 सीटों वाली गोवा विधानसभा में कांग्रेस के तीन विध ायक हैं, जबकि 2022 के चुनाव में पार्टी ने 11 सीटें जीती थीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोमवार को गोवा का दौरा करेंगे और तटीय राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। पार्टी के प्रदेश प्रमुख गिरीश चोडणकर ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस अगले साल की शुरुआत में होने वाले गोवा विधानसभा चुनाव की

तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि खरगे सोमवार को राज्य के एक दिन के दौरे पर रहेंगे और दक्षिण गोवा के वेरना गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद संभालने के बाद यह पहली बार है जब खरगे गोवा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। चालीस सदस्यों वाली गोवा विधानसभा में कांग्रेस के अभी तीन विध ायक हैं, जिनमें नेता प्रतिपक्ष यूरी अलेमाओ भी शामिल हैं। कांग्रेस ने 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव में 11 सीट जीती थीं, लेकिन बाद में इसके आठ विधायक सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

देश को परिसीमन की नहीं, सीमाओं की सुरक्षा करने की जरूरत – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि परिसीमन से ज्यादा आज देश की सीमाओं की सुरक्षा की जरूरत है। भाजपा को बताना चाहिए कि 2014 में देश का क्षेत्रफल कितना था और अब कितना है। देश की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में महंगाई बढ़ गई है और पेट्रोल में ई20 मिलाया जा रहा है। इसका जवाब देना चाहिए। किसानों की खाद, डीएपी

सब चोरी हो रही है। पूरे लखनऊ में कूड़ा पड़ा हुआ है। भाजपा के लोग कहते हैं कि उन्होंने 300 करोड़ पेड़ लगा दिए हैं। उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने ये पेड़ कहां लगाए हैं। हम लोग पीडीए की लड़ाई लड़ने का काम और समाज को जागरुक करने और जोड़ने का काम करते रहेंगे। अखिलेश यादव रविवार को हजरतगंज में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में जिस तरह का योगदान रानी लक्ष्मीबाई का रहा वैसा ही योगदान रानी अवंतीबाई का रहा है। हम लोग उनके समाज को हक और अधिकार दिलाने के लिए लड़ते रहेंगे। उन्होंने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गोरखपुर में 500 प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने गोरखपुर में 500 स्कूल बंद कर दिए हैं। कानपुर एक्सप्रेसवे पर गड्ढे हो गए हैं।

हेमंत सोरेन का आवास घेरेंगे अभ्यर्थी, 20 अगस्त को प्रदर्शन

मुबई, (एजेंसी)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने शनिवार को देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रांची में 'तिरंगा यात्रा' निकाली और 20 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करने की घोषणा की। प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि रविवार को राज्य के सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले जलाए जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ झामुमो–कांग्रेस गठबंधन उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई करने में विफल रहा है। छात्रों के आंदोलन का शनिवार को 22वां दिन है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रांची में निकाली गई तिरंगा यात्रा में हजारों छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें दो ऐसे प्रदर्शनकारी भी शामिल थे जो व्हीलचेयर पर हैं और अनशन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भर्ती परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और रिफॉर्म की मांग कर रहे हैं। जेएसएससी–जेपीएससी रिफॉर्म मंच के नेता रविंद्र पासवान ने कहा, ''हम 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। हम मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हैं, क्योंकि झामुमो और कांग्रेस दोनों हमारे साथ राजनीति कर रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी को झामुमो नीत गठबंध ान से समर्थन वापस लेना चाहिए।'' प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगें पूरी नहीं करती, तब तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। उनकी प्रमुख मांगों में जिन परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी मिली है, उन्हें रद्द करना और भर्ती प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच कराना शामिल है। छात्रों ने अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या झारखंड से बाहर के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की समिति से कराने की मांग की है। जेएसएससी– जेपीएससी रिफॉर्म मंच ने संदिग्ध मानी जा रही जेएसएससी– सीजीएल और कुछ जेपीएससी परीक्षाओं को रद्द करने की भी मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने झारखंड के छात्रों से 20 अगस्त को प्रस्तावित घेराव में शामिल होने के लिए रांची पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। छात्र नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने छात्रों का समर्थन किया था, लेकिन उसके बाद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने मांग की कि यदि झामुमो सरकार उनकी चिंताओं पर कार्रवाई नहीं करती है तो कांग्रेस को अपना समर्थन वापस लेना चाहिए। तिरंगा यात्रा की शुरुआत रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से हुई, जहां छात्र लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। यात्रा अल्बर्ट एक्का चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के नारे लगाए। जेएलकेएम नेता देवेंद्र मांझी, जो पिछले 14 दिनों से अनशन पर हैं, ने आरोप लगाया कि वह मार्च में शामिल नहीं हों इसके लिए पुलिस ने उन्हें सदर अस्पताल से बाहर निकलने से रोका। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी प्रसारित हुए।

संपादकीय

दलित होने पर खड़गे का अपमान

मैं इस बात को राजनीतिक मुद्दा नहीं बनाना चाहता। मैं वर्षों से इस सदन (राज्यसभा) का सदस्य हूं और निचले सदन में भी रहा। मैंने कभी किसी से यह नहीं कहा कि मैं दलित हूं, मेरी रक्षा करो और न ही किसी के सामने गिड़गिड़ाया। मुझ में लड़ने की शक्ति है और मैं लड़ता हूं। लेकिन हल्द्वानी में मंच का शुद्धिकरण कर मुझे छुआछूत का एहसास कराया गया और मेरा अपमान किया गया। भेदभाव और पहचान संबंध ये शब्द कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के हैं। गौरतलब है कि आठ अगस्त को श्री खड़गे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक सभा को संबोधित किया था, इसके बाद हिंदूवादी संगठनों ने उस मंच का शुद्धिकरण किया, क्योंकि श्री खड़गे दलित मूल के हैं।खड़गे जी नौ बार विधायक और पांच बार के सांसद हैं। जब भाजपा द्वारा पोषित घृणित जातिवादी और धर्मांध राजनीति दलित होने पर उनका अपमान कर सकती है, तो समझा जा सकता है कि देश में आज भी दलितों की क्या दुर्दशा है। भाजपा के शासनकाल में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के अपमान का यह सिलसिला लगातार चल रहा है। अखिलेश यादव मई 2024 में कन्नौज के बाबा गौरी शंकर महादेव मंदिर में दर्शन करने गए, तो उसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने उसका शुद्धिकरण किया था। राजस्थान में अप्रैल 2025 में अलवर में एक राम मंदिर में कांग्रेस नेता टीकाराम जूली के जाने के बाद, भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा ने गंगाजल छिड़क कर मंदिर का शशुद्धिकरणश किया था। ऐसे दर्जनों मामले हैं, जहां इसी तरह सवर्ण हिंदू श्रेष्ठता के चलते दलितों का अपमान किया जाता है। दलितों के मूंछ रखने से लेकर विवाह में घोड़ी चढ़ने तक आज भी उन्हें शारीरिक और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया जाता है। मुसलमानों पर अत्याचार की खबरें तो अब इतनी आम हो चुकी हैं कि जनसामान्य इन पर विचलित ही नहीं होता। यह बात भी ध्यान रखनी चाहिए कि संसद के नए भवन के उद्घाटन का मौका हो या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का आदिवासी समुदाय से आने वाली राष्ट्रपति वहां मौजूद नहीं थीं। क्यों नहीं थी, इस सवाल का जवाब भाजपा ही बेहतर देगी। उसका चाल, चरित्र और चेहरा दलित, आदिवासी, पिछड़ा विरोधी है, यह बार–बार जाहिर होता है।दो दिन में देश आजादी की 80वीं वर्षगांठ मनाएगा। लेकिन क्या जातिवादी और धर्मांध राजनीति से देश को आजादी मिल पाएगी, यह सवाल बना हुआ है। भाजपा के लिए तो यही सुविधाजनक है कि लोग धर्म और जाति के झगड़ों में फंसे रहें ताकि शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, पानी, रोजगार जैसे अहम विषयों पर सरकार को काम ही नहीं करना पड़े।

आत्मनिर्भरता से विकसित भारत की ओर आजादी की उड़ान

ललित

15 अगस्त भारत के राष्ट्रीय जीवन का वह गौरवपूर्ण दिन है, जब हमारी धरती ने पराधीनता की लंबी रात के बाद स्वतंत्रता का सूर्य देखा था। 2026 में हम स्वतंत्रता का 80वां दिवस मना रहे हैं। यह केवल अतीत के गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि यह आत्ममंथन करने का भी समय है कि जिन सपनों के लिए असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, उन सपनों को हमने कितना साकार किया और अब 2047 में स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को कैसा बनाना है। 1947 ने हमें राजनीतिक स्वतंत्रता दी थी, लेकिन 2047 का लक्ष्य हमें आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी, सामरिक और नैतिक रूप से आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत बनाने का है। स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता तब सार्थक होगी, जब प्रत्येक नागरिक भय, अभाव, अशिक्षा, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की असमानता से मुक्त हो। जब व्यक्ति अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझे, जब लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने की प्रक्रिया न रहकर जनकल्याण का माध्यम बने, जब राजनीति में सेवा, सार्वजनिक जीवन में शुचिता और समाज में संवेदना प्रतिष्ठित हो। आजादी की पहली पीढ़ी ने देश को गुलामी से मुक्त किया थाय आज की पीढ़ी को देश को निर्भरता, पिछड़ेपन और आत्महीनता से मुक्त करना है। पिछले वर्षों में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन दिखाई देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से बार–बार देश को आत्मनिर्भरता, नवाचार और युवाशक्ति का मंत्र दिया है। 2025 के स्वतंत्रता दिवस संबोधान में उन्होंने विशेष रूप से युवा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रतिभाशाली युवाओं और शोधकर्ताओं का आह्वान करते हुए पूछा कि भारत अपने लड़ाकू विमानों के लिए जेट इंजन स्वयं क्यों नहीं बना सकता। उन्होंने सेमीकंडक्टर से लेकर अंतरिक्ष, जैव–प्रौद्योगिकी और रक्षा तक भारतीय प्रतिभा को अपनी क्षमता के बल पर आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं के विचारों को रोकने के बजाय उन्हें अवसर देने और उनके नवाचार को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। यह बदलाव केवल भाषणों तक सीमित नहीं है। आज छोटे शहरों, कस्बों और गांवों से निकलने वाली प्रतिभाएं स्टार्टअप, अंतरिक्ष, खेल, विज्ञान, डिजिटल तकनीक और विनिर्माण के क्षेत्र में नई पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री ने लाल किले से यह भी रेखांकित किया है कि भारत के युवाओं ने देश को दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थान दिलाया है और अनेक छोटे शहरों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के युवा नई तकनीकी संभावनाओं को जन्म दे रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत इसी बदलती मानसिकता का परिणाम है। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से कट जाना नहीं, बल्कि दुनिया के साथ बराबरी से खड़े होकर अपने सामर्थ्य के आधार पर प्रतिस्पधा करना है। भारत अब केवल आयात करने वाला विशाल बाजार नहीं रहना चाहताय वह निर्माण करने, नवाचार करने और दुनिया को निर्यात करने वाला देश बन रहा है। मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल सेवाओं में भारत की क्षमता लगातार बढ़ी है। गैर–पेट्रोलियम वस्तुओं के निर्यात ने भी नए रिकॉर्ड बनाए हैं, जबकि सेवाओं के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति लगातार मजबूत हुई है। आत्मनिर्भरता की सबसे प्रभावशाली तस्वीर रक्षा क्षेत्र में दिखाई देती है। कभी भारत विश्व के बड़े हथियार आयातकों में गिना जाता था, लेकिन अब स्वदेशी उत्पादन और रक्षा निर्यात दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2025–26 में भारत के रक्षा निर्यात ने 38,424 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड स्तर हासिल किया, जो पिछले वर्ष के 23,622 करोड़ रुपये से 62.66 प्रतिशत अधिक है। यह परिवर्तन बताता है कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा, बल्कि विश्व के देशों को रक्षा सामग्री उपलब्ध कराने की क्षमता भी अर्जित कर रहा है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत ने गोला–बारूद, हथियार, उप–प्रणालियां, प्रणालियां और महत्वपूर्ण पुर्जे लगभग 80 देशों तक पहुंचाए हैं। 2013–14 में रक्षा निर्यात महज 686 करोड़ रुपये था, जो 2024–25 में 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंच गयाकृअर्थात एक दशक में लगभग 34 गुना वृद्धि। यह 'मेक इन इंडिया' से 'मेक फॉर द वर्ल्ड'

की यात्रा का सशक्त प्रमाण है। लेकिन आत्मनिर्भर भारत की असली परीक्षा केवल अर्थव्यवस्था और तकनीक में नहीं है। हमें ऐसा भारत बनाना है जो आत्मनिर्भर होने के साथ आत्मसंयमी भी हो, शक्तिशाली होने के साथ संवेदनशील भी हो और आधुनिक होने के साथ अपनी संस्कृति एवं नैतिक जड़ों से जुड़ा भी हो। महात्मा गांधी, भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ने हमें बताया था कि विकास का अंतिम लक्ष्य मनुष्य की गरिमा और समाज में शांति है। यदि तकनीक बढ़ती जाए लेकिन मनुष्यता घटती जाए, यदि संपन्नता बढ़े लेकिन संवेदना कम हो जाए, यदि अधिकारों की मांग बढ़े लेकिन कर्तव्यबोध समाप्त हो जाए तो स्वतंत्रता अधूरी ही रहेगी। हमारे सामने आज भी गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, भ्रष्टाचार, सामाजिक तनाव, हिंसा, पर्यावरण संकट और डिजिटल असमानता जैसी चुनौतियां हैं। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का संकल्प भी है। हमें ऐसी नागरिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें सत्य, शुचिता, सहिष्णुता, अनुशासन, परस्पर सम्मान और राष्ट्रहित सर्वोपरि हों। लोकतंत्र की मजबूती केवल संसद या सरकार से नहीं होतीय वह नागरिक के चरित्र से होती है। लोकतंत्र को मजबूत संसद के साथ मजबूत समाज और जिम्मेदार नागरिक भी चाहिए। आज का भारत विश्व की युवा शक्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य मूलतः युवाओं का लक्ष्य है, क्योंकि आज का युवा ही 2047 के भारत का नेतृत्व करेगा। प्रधानमंत्री ने 'विकसित भारतद्2047 रू वॉइस ऑफ यूथ' पहल के माध्यम से युवाओं को केवल भविष्य के लाभार्थी नहीं, बल्कि परिवर्तन के एजेंट के रूप में सामने रखा है। इसीलिए 2026 के स्वतंत्रता दिवस अभियान का केंद्र भी युवाओं को एक मजबूत, आत्मनिर्भर, नवाचारी और भविष्य के लिए तैयार भारत के निर्माण से जोड़ना है। सरकारी 'माय भारत' पहल में युवाओं की भागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। 2047 की यात्रा में हमें युवाओं से केवल नौकरी पाने की अपेक्षा नहीं करनी चाहिएय उन्हें रोजगार देने वाला, समस्या का समाधान खोजने वाला, नवाचार करने वाला और समाज का नेतृत्व करने वाला बनाना होगा। शिक्षा को डिग्री से कौशल, कौशल से रोजगार और रोजगार से उद्यमिता की ओर ले जाना होगा। गांव का युवा भी अंतरिक्ष में अवसर देखे, छोटे शहर की बेटी भी विज्ञान और तकनीक में विश्वस्तरीय पहचान बनाए, किसान का बेटा भी एग्रीटेक उद्यमी बने और सामान्य परिवार का युवा भी स्टार्टअप के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोजगार पैदा करेकृयही नए भारत की तस्वीर है।

रक्षा–उत्पादन विकास की राह पर तेज दौड़

गोपाल

विकासशील भारत अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, यह राष्ट्रीय स्तर पर आत्मनिरीक्षण और आगे की सोच का प्रतीक है। रक्षा उत्पादन का क्षेत्र इसकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ऑटोनॉमी का एक अहम स्तंभ बनकर उभरा है। मिलिट्री हार्डवेयर के एक बड़े आयातक से एक भरोसेमंद डिफेंस निर्यातक बनने का सफर भारत की बढ़ती क्षमताओं और रणनीतिक दूरदर्शिता का सबूत है। यह बदलाव सिर्फ एक आर्थिक या टेक्नोलॉजिकल उपलब्धि नहीं हैय यह असल में नेशनल सिक्योरिटी, जियोपॉलिटिकल स्टैंडिंग और ग्लोबल स्टेज पर ज़्यादा असरदार भूमिका निभाने की इच्छा से जुड़ा है। पिछले कुछ दशकों में, खासकर हाल के सालों में रक्षा उत्पादन में जो तरक्की हुई है, वह एक मजबूत स्वदेशी डिफेंस इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाने की सोची–समझी कोशिश को दिखाती है। यह लेख भारत के रक्षा–उत्पादन विकास की खास बातों पर गहराई से बात करेगा, क्योंकि यह अपने 80वें

स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुंच रहा है, इसकी ग्रोथ को आगे बढ़ाने वाले कई वजहों को देखेगा, और उन रुकावटों की बारीकी से जांच करेगा जो इसकी पूरी क्षमता को चुनौती दे रही हैं। भारत के रक्षा उत्पादनके माहौल में एक बड़ा बदलाव आया है, जो विदेशी डिजाइनों की असेंबली और लाइसेंस्ड प्रोडक्शन से आगे बढ़कर स्वदेशी इनोवेशन और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दे रहा है। कई खास बातें इस तरक्की को दिखाती हैं। वायुसेना के संदर्भ में, एडवांस्ड प्लेटफॉर्म और सिस्टम का विकास स्वदेशी टेक्नोलॉजी में एक बड़ी छलांग दिखाता है। लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एल सी ए) तेजस, एक मल्टी–रोल फाइटर जेट, इसका एक बड़ा उदाहरण है। दशकों के विकास के बाद, तेजस इंडियन एयर फोर्स के साथ स्क्वाड्रन सर्विस में शामिल हो गया है और इसे एक्सपोर्ट करने पर विचार किया जा रहा है, जो भारत की एडवांस्ड फाइटर एयरक्राफ्ट डिजाइन करने, डेवलप करने और बनाने की क्षमता को दिखाता है। इसी तरह, पांचवीं पीढ़ी के फाइटर, एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (ए एम सी ए) का विकास चल रहा है, जिसका मकसद भारत को ऐसी एडवांस क्षमताओं वाले चुनिंदा देशों के ग्रुप में जगह दिलाना है। नेवल डिफेंस के क्षेत्र में काफी तरक्की हुई है। भारत ने आई एन एस विक्रांत जैसे स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर को सफलतापूर्वक डेवलप और डिप्लॉय किया है, जो पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और बनाया गया एयरक्राफ्ट कैरियर है। यह उपलब्धि भारत को दुनिया भर में एक खास जगह दिलाती है, जो इसकी व्यापक नेवल शिपबिल्डिंग क्षमताओं को दिखाती है। इसके अलावा, स्कॉर्पीन क्लास (फ्रांस के नेवल ग्रुप के साथ मिलकर बनाया गया लेकिन इसमें काफी भारतीय कंटेंट है) और एडवांस्ड पारंपरिक पनडुब्बियों पर फोकस करने वाला आने वाला च75प प्रोजेक्ट सहित सबमरीन का स्वदेशी विकास, पानी के नीचे की लड़ाई में बढ़ती आत्मनिर्भरता को दिखाता है। एडवांस्ड स्वदेशी हथियारों और सेंसर से लैस डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और ऑफशोर पेट्रोल वेसल का कंस्ट्रक्शन, भारतीय नेवी की ऑपरेशनल पहुंच और टेक्नोलॉजिकल बढ़त को और मजबूत करता है। थल सेना के लिए स्वदेशीकरण में काफी बढ़ोतरी देखी गई है। अर्जुन जैसे मेन बैटल टैंक (एम बी टी) का प्रोडक्शन, हालांकि शुरुआती विकास में चुनौतियों का सामना कर रहा था, लेकिन अब एक मजबूत प्लेटफॉर्म बन गया है। इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि मॉडर्न आर्टिलरी सिस्टम, जिसमें धनुष टोड आर्टिलरी गन और के9 वज्र–ज (भारत में लाइसेंस के तहत बनाया गया एक साउथ कोरियन डिजाइन) शामिल हैं, के लिए जोर ने इंडियन आर्मी की फायरपावर को बेहतर बनाया है। कलाश्निकोव ए के–203 (भारत में बनी) जैसी देसी असॉल्ट राइफलों का विकास, और अगली पीढ़ी के इन्फेंट्री कॉम्बैट व्हीकल और आर्मर्ड पर्सनल कैरियर के लिए भविष्य के प्रोजेक्ट, जमीनी सेना को स्टेट–ऑफ–द–आर्ट हथियारों से लैस करने के कमिटमेंट को दिखाते हैं। मिसाइल और रॉकेट का क्षेत्र भारत के लिए लगातार ताकत का क्षेत्र रहा है। इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आई सी बी एम) की अग्नि सीरीज, पृथ्वी शॉर्ट–रेंज बैलिस्टिक मिसाइल, आकाश सरफेस–टू–एयर मिसाइल सिस्टम, और ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल (रूस के साथ एक जॉइंट वेंचर) का विकास और इंडक्शन मिसाइल टेक्नोलॉजी में भारत की एडवांस्ड क्षमताओं को दिखाता है। ये सिस्टम जरूरी रणनीतिक रोकथाम और हमला करने की क्षमता देते हैं। वर्टिकल टेक–ऑफ और लैंडिंग (वी टी ओ एल) मिसाइलों और हाइपरसोनिक टेक्नोलॉजी का चल रहा विकास, मिसाइल युद्ध में सबसे आगे रहने की भारत की इच्छा का और संकेत देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन सेक्टर में स्वदेशीकरण की तरफ काफी जोर देखा गया है। रोहिणी और स्वाति जैसे एडवांस्ड रडार सिस्टम से लेकर इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सुइट्स और सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम तक, भारतीय कंपनियां तेजी से जरूरी कंपोनेंट्स और सबसिस्टम डेवलप और प्रोड्यूस कर रही हैं। इससे विदेशी सप्लायर्स पर निर्भरता कम होती है और रक्षा नेटवर्क के अंदर साइबर सिक्योरिटी बढ़ती है। आखिर में, निजी रक्षा क्षेत्र का विकास एक उल्लेखनीय घटनाक्रम है। ऐतिहासिक रूप से सरकारी कंपनियों का दबदबा रहने के बाद, भारत ने अब निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया है। लार्सन एंड टुब्रो, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और महिंद्रा रक्षा सिस्टम्स जैसी कंपनियाँ महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर रही हैं और विभिन्न रक्षा प्लेटफॉर्म और पुर्जों के डिजाइन, विकास और निर्माण में योगदान दे रही हैं। इससे इस क्षेत्र में गतिशीलता, प्रतिस्पर्धा और नवाचार आया है। भारत के रक्षा उत्पादन की प्रभावशाली प्रगति रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक कारकों के मेल से प्रेरित है। ये कारक आपस में जुड़े हुए हैं और एक–दूसरे को मजबूत करते हैं, जिससे निरंतर विकास के लिए अनुकूल माहौल बनता है। सबसे महत्वपूर्ण कारक रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने और विदेशी सैन्य उपकरणों पर निर्भरता कम करने की अटूट प्रतिबद्धता है। तेजी से बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य में, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक मजबूत स्वदेशी रक्षा औद्योगिक आधार का होना बहुत जरूरी है। यह सुनिश्चित करता है कि भारत अन्य देशों की नीतियों या रणनीतिक हितों के दबाव में आए बिना अपनी रक्षा जरूरतों को पूरा कर सके।

राहुल जेन जी के सबसे करीब

विनय, जब से नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री का पद सम्हाला है (2014), तभी से वे देश की युवाशक्ति को लाभांश यानी डिवडेंड कहते रहे हैं। इसके चलते युवा और छात्र–छात्राएं स्वाभाविक रूप से उनके मुरीद होते गये। उनके तीन बार प्रधानमंत्री बनने के पीछे का एक बड़ा कारण यह भी है कि इस विशाल वर्ग को उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जोड़ा। नयी पौध को लगा था कि भाजपा सरकार उनकी शिक्षा, रोजगार और उद्यमियता के नये अवसर खोलेगी। हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार, नये विश्वविद्यालय, स्टार्टअप, मेक इन इंडिया जैसे लुभावने नारे देकर कुछ समय तो मोदी उन्हें रिझाने में कामयाब रहे पर देश में पिछले पांच दशकों के दौरान की सबसे बड़ी बेरोजगारी, बंद होते स्कूल, बदहाल विश्वविद्यालय, लीक होती परीक्षाओं जैसे कारणों से छात्र और युवा वर्ग इस कदर निराश है कि पिछले कुछ समय से देश के ज्यादातर राज्यों में छात्र और युवा सड़कों पर हैं। वे बेहतर शिक्षा व्यवस्था तथा रोजगार की मांग कर रहे हैं।वैसे तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर देश की बिगड़ती हालत की तरफ लोगों का ध्यान काफी पहले ही खींचा था, जब उन्होंने सितम्बर 2022 में भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी। कन्याकुमारी (तमिलनाडु) से लेकर कश्मीर के श्रीनगर तक उनकी पैदल यात्रा वैसे तो भाजपा–संघ द्वारा फैलाई जा रही नफरत के खिलाफ थी, परन्तु उस दौरान अपने संवाद के जरिये वे देश की केवल सामाजिक और राजनीतिक ही नहीं बल्कि आर्थिक परिस्थितियों को लेकर भी लोगों को आगाह करते रहे। उन्होंने बताया था कि मोदी सरकार की गलत नीतियों और निर्णयों, खासकर नोटबन्दी, जीएसटी आदि के कारण बंद होते व्यवसायों एवं उद्योगों से फैली आर्थिक मंदी से बेरोजगारी की विकट स्थिति बनी है। इसके पहले कोविड–19 के समय ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि शदेश में बड़ी आर्थिक सुनामी आने वाली है जिससे बेरोजगारी फैलेगी।श उनकी बात का भाजपा और उसके समर्थकों ने मजाक उड़ाया था पर उनकी आशंका सही साबित हुई थी।भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल की छवि को व्यापक रूप से सुधारा था। इसके बाद उनकी दूसरी यात्रा (पूर्व से पश्चिम) से पूरा देश उन्हें गम्भीरता से सुनने लगा। देश उस नरेटिव से बाहर निकलने लगा, जो भाजपा–संघ पोषित आईटी सेल और साम्प्रदायिक व जातिवादी समर्थकों ने मिलकर गढ़ा था। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सदस्य संख्या लगभग दोगुनी हो गयी तथा मोदी एवं भाजपा के सहयोगी दलों से मिलकर बना एनडीए उस 400 के पार नहीं जा पाया, जिसका दावा बढ़ा–चढ़ाकर हो रहा था। भाजपा की सरकार तो बनी पर 240 के अंकों के साथय वह भी दो दलों की बैसाखियों के बूते। इसके बाद राहुल और कांग्रेस के तेवर संसद के भीतर–बाहर कुछ ऐसे आक्रामक रहे कि मोदी सरकार को अक्सर बैकफुट पर जाना पड़ा। इसका कारण है कि वे मोदी सरकार की खामियों को बेखौफ गिनाते रहे– फिर चाहे वह भाजपा–संघ का साम्प्रदायिकता का एजेंडा हो या सरकार के सबसे करीबी गौतम अडाणी व मुकेश अंबानी को मिलता संरक्षण। आर्थिक बदहाली के उनके उठाये मुद्दों का सीधा सम्बन्ध बेरोजगारी से रहा। इस स्टैंड से देश के छात्रों एवं युवाओं में राहुल के लिये खास जगह बनी। इस बीच हुए कई विधानसभा चुनाव हारने के बावजूद उनका हौसला नहीं टूटा और वे शिक्षित युवाओं, किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, महिलाओं समेत सभी वर्गों की रोजी–रोटी के सवाल उठाते रहे। यहां तक कि उनकी जातिगत जनगणना की मांग का भी सीधा नाता ओबीसी वर्गों के लिये नौकरियों से था जिसे अंततरू केन्द्र सरकार को माननी पड़ी।मई के पहले हफ्ते में जब नीट का पेपर लीक हुआ तो उसे लेकर सबसे पहले कांग्रेस ने ही विभिन्न राज्यों में आंदोलन चलाये। जून में जब इस मामले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की एंट्री हुई तो यह मुद्दा अधिक गरमा गया। कहने को तो तत्कालीन केन्द्रीय शिक्षा मंत्री मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से इस्तीफा ले लिया गया पर वहां राहुल की नैतिक उपस्थिति इस कदर हावी थी कि सीजेपी के आंदोलन के समर्थन में भूख हड़ताल करने वाले पर्यावरणवादी कार्यकर्ता सोनम वांगचुक एवं उनकी पत्नी गीतांजलि को मलाल रहा कि राहुल गांधी उनका उपवास तुड़वाने नहीं आये। आंदोलन चाहे सीजेपी का रहा हो परन्तु उसमें शामिल व सक्रिय नेहा बोरा समेत वामपंथी छात्र संगठनों के नेता मिलने के लिये राहुल गांधी के पास जाते हैं और उनके साथ मंच शेयर करते हैं। इतना ही नहीं पैलेट गन से घायल युवक को भी राहुल ने मीडिया के समक्ष पेश किया।लोकसभा में राहुल तथा राज्यसभा में कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे छात्रों पर होने वाली बर्बर पुलिसिया कार्रवाई के लिये गृह मंत्री अमित शाह से इस मुखरता से इस्तीफा मांग रहे हैं कि वर्तमान में जारी संसद के मानसून सत्र की बैठकों में वे शामिल ही नहीं हो रहे हैं। इधर राहुल छात्रों के साथ विभिन्न शहरों में छात्रों की गूंज नाम से सभाएं ले रहे हैं जिनमें छात्र और युवा बड़ी तादाद में शामिल हो रहे हैं। शनिवार को उनके परिवार के शहर प्रयागराज में राहुल की सभा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिये जिससे पूरी भाजपा बौखलाई हुई है।

चीन कई मोर्चों पर भारत के लिए मुश्किल खड़ी करता

राजेश

हाई टेक्नालॉजी जैसे क्षेत्रों को छोड़कर सामान्य चीजों पर कर की दरें बढ़ाने से भारत में इन्हें बनाने का प्रोत्साहन मिलेगा। चीन की कम्युनिस्ट सरकार मैन्युफैक्चरिंग, इनोवेशन के लिए चीनी कंपनियों को भारी सब्सिडी देती है, भारत भी ऐसा कर सकता है। हमें चीन का रास्ता आसान बनाने और ज्यादा व्यापार करके उसकी ताकत बढ़ाने की बजाय दूसरा रास्ता अपनाने की जरूरत है। छले कुछ दिनों से भारत–चीन के बीच सीमा विवाद सतह पर नजर आ रहा है। चीन ने अपनी पुरानी रणनीति के तहत अरुणाचल प्रदेश पर दावा जताने के लिए कुछ स्थानों के नए नाम घोषित किए हैं। ऐसा वह 2017 से बार–बार कर रहा है। भारत ने इसका विरोध किया है। चीन अहम मौकों पर सीमा के मुद्दे को गर्म रखने की कोशिश करता है। 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अहमदाबाद में बातचीत हो रही थी तब चीनी सैनिकों ने चुमार और डेमचोक में घुसपैठ की थी। उस समय मोदी ने शी के सामने यह मुद्दा उठाया था। अब सितंबर में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स सम्मेलन में भारत आने की संभावना है। भारत को सीमा विवाद में उलझाने के साथ चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर भी उसके लिए रास्ते में बाधा डालता है।अप्रैल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 27 स्थानों के चीनी नाम घोषित किए। उस समय भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था, काल्पनिक नाम रखने से हकीकत नहीं बदल जाएगी। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था और हमेशा रहेगा। भारत ने अपने अधिकार को और स्पष्ट करते हुए 7 अगस्त को अरुणाचल के 27 स्थानों को सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे में दिखाया है। भारत की यह कार्रवाई अरुणाचल में चीनी सेना की घुसपैठ की अपुष्ट खबरों के बाद की गई है। हालांकि, अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने चीनियों की घुसपैठ से इंकार किया है।चीन अरुणाचल को दक्षिण तिब्बत कहता है। वह उस पर भारत के अधिकार को मान्यता नहीं देता है। वह भारत–चीन सीमा तय करने वाली मैकमोहन रेखा को स्वीकार नहीं करता है। मार्च 1914 में शिमला कांफ्रेंस में ब्रिटिश भारत के विदेश मंत्री हेनरी मैकमोहन और तिब्बत के बीच मैकमोहन रेखा पर समझौता हुआ था। चीन का तर्क है चूंकि तिब्बत स्वायत्त नहीं था इसलिए उसे अंतरराष्ट्रीय समझौते करने का अधिकार नहीं था। चीन अकेले अरुणाचल नहीं बल्कि लद्दाख, अक्साई चिन सहित कई भारतीय इलाकों को अपना क्षेत्र बताता है। अपने दावे को मजबूत बनाने के लिए चीन समय–समय पर भारतीय सीमा में घुसपैठ करता है। पिछले दस–बारह वर्षों में उसने कई बार ऐसा किया है। 2020 में तो भारतीय–चीनी सैनिकों के बीच गलवान में हिंसक झड़प हो गई थी।चीन कई अन्य तरीकों से भारत के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाता है। वह जम्मू–कश्मीर और अरुणाचल निवासियों के लिए स्टेपल्ड वीसा जारी करता है। स्टेपल्ड वीसा पासपोर्ट का हिस्सा नहीं होते हैं बल्कि उसके साथ अलग कागज पर अटैच किए जाते हैं। ऐसा संबंधित क्षेत्र पर किसी देश की संप्रभुता को मान्यता न देने के लिए करते हैं। चीन यारलंग सांगपो नदी (भारत में इसका नाम ब्रह्मपुत्र है।) पर विराट बांध बना रहा है। उससे 60 हजार मेगावाट बिजली पैदा करने की योजना है। बांध के मामले में उसने भारत को भरोसे में लेने की जरूरत नहीं समझी है। भारत ने 6 अगस्त को सीमायी मामलों पर समन्वय की 36वीं बैठक में सीमा विवाद के साथ बांध का मुद्दा भी उठाया है।चीन ने भारत के साथ दुश्मनी रखने वाले पाकिस्तान से गहरे आर्थिक और सामरिक संबंध कायम किए हैं। उसने 1955 से पाकिस्तान को अपने खेमे में शामिल करने की शुरुआत कर दी थी। चीन ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपने उपग्रहों से भारतीय सैनिक हलचल की जानकारी दी थी। वह संयुक्त राष्ट्र में भारत विरोध का एजेंडा चलाए रखता है। चीन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान समर्थक आतंकवादी संगठनों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव वीटो से रोका है। उसने सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का विरोध किया है। वह परमाणु सप्लायर ग्रुप में भारत को शामिल करने के खिलाफ है। चीन वैश्विक राजनीति खासकर एशिया में भारत को अपना प्रमुख प्रतिद्वंद्वी मानता है। भारत अपनी बड़ी आबादी, विशाल क्षेत्रफल, प्राकृतिक संसाधनों और मजबूत सेना के कारण कम्युनिस्ट देश के लिए कड़ी चुनौती पेश करता है। उसके पास साइंस, टेक्नालॉजी, मेडिकल साइंस और विशेषज्ञता के कुछ अन्य क्षेत्रों में बड़ी मानव शक्ति है। अलबत्ता टेक्नालॉजी के कुछ क्षेत्रों में वह चीन से पीछे है। भारत की अर्थव्यवस्था का आकार चीन की तुलना में लगभग चार गुना कम है। भारत की ताकत चीन के विस्तारवाद को रोकने का हथियार बन सकती है। इसलिए पिछले कुछ अमेरिकी

राष्ट्रपतियों ने एशिया में उसे चीन के मुकाबले खड़ा करने की कोशिश की है। लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद स्थितियां बदल गई हैं।ट्रम्प अस्थिर मिजाज के नेता हैं। वे जब चाहे अपना रुख बदल लेते हैं। उनके अप्रत्याशित रवैये को ध्यान में रखकर यूरोप और एशिया में अमेरिका के सहयोगी देश अपना रास्ता खुद बना रहे हैं। वे चीन, रुस के हमले की स्थिति में अमेरिका पर निर्भर रहने की बजाय अपनी सैनिक क्षमता में इजाफा कर रहे हैं। ताइवान भी चीनी हमले से निपटने की पूरी तैयारी कर चुका है। पहले वह अमेरिका पर बहुत कुछ निर्भर था। इस बदलाव के प्रकाश में भारत को भी अपनी रणनीति तय करना चाहिए। भले ही चीन से उसका अरबों रुपए का व्यापार है। लेकिन, उसकी तरफ से पूरी तरह निश्चिंत रहना बड़ी भूल होगी। भारत ने 1962 में चीन पर भरोसा करके बहुत बड़ी कीमत चुकाई थी। चीन अपने कूटनीतिक और सामरिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। भारत इस भरोसे में नहीं रह सकता कि चीन से बड़े पैमाने पर कारोबार करने के कारण वह पूरी तरह सुरक्षित है। चीन से भारत का कारोबार लगभग एकतरफा है। उसे बीते कई साल से आयात, निर्यात कारोबार में चीन से 100 अरब डॉलर से अधिक (9 से 10 लाख करोड़ रुपए) का घाटा उठाना पड़ रहा है। 2026 के पहले छह महीनों में भारत ने चीन से सात लाख करोड़ रुपए से अधिक का सामान मंगवाया है।

विवेक खण्ड 1 आरडब्ल्यूए एवं श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन ने मनाया भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विवेक खण्ड 1 रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन के सहयोग से विवेक खण्ड 1 पम्प हाउस पार्क, गोमती नगर में भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह में वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों, परिवारों, अधिकारियों एवं निवासियों की असाधारण उपस्थिति रही, जिसके कारण अतिरिक्त बैठने की व्यवस्था करनी पड़ी। समारोह में मुख्य अतिथि श्री एम.सी. द्विवेदी जी, आईपीएस, डीजीपी (सेवानिवृत्त) तथा विशिष्ट अतिथि श्री महेन्द्र भीष्म अवस्थी जी, प्रधान पीठ सचिव, माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय (सेवानिवृत्त), एवं श्री के.के. सिन्हा जी, आईएएस (सेवानिवृत्त) की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. प्रदीप सिंह, वरिष्ठ सलाहकार, विवेक खण्ड 1 आरडब्ल्यूए ने उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत करते हुए भारत के राष्ट्र–निर्माताओं के सम्मान तथा युवा पीढ़ी को प्रेरित करने की इस परम्परा को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथियों ने भारत के बलिदानों, संस्थागत निर्माण की यात्रा तथा राष्ट्र के भविष्य के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

ज्ञान प्रसार संस्थान के बच्चों ने, अध्यक्ष श्रीमती नीरजा द्विवेदी के नेतृत्व में, देशभक्ति प्रस्तुतियाँ दींय सुश्री कर्णिका सिंह, संगीत भवन ने "मिट्टी के बेटे" प्रस्तुत कियाय डॉ. सात्विका शर्मा ने राष्ट्रवादी काव्य–पाठ कियाय तथा अक्षर मौर्य ने विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के निर्माण और भविष्य पर अपने विचार रखे।

श्रीमती मीना सिंह, चेयरपर्सन, श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के साथ ज्ञान प्रसार संस्थान की सुश्री कहकशना, सुश्री नेहा, सुश्री सेबा एवं श्री अक्षर को नकद पुरस्कार प्रदान किए। सुश्री कर्णिका सिंह, श्री अक्षर मौर्य तथा कवियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। एसोसिएशन की वार्षिक परम्परा के अंतर्गत समुदाय के वरिष्ठ नागरिकों को भी पौधों एवं मोतियों की मालाओं से सम्मानित किया गया, जबकि लोक सेवा में उत्कृष्टता प्रमाण–पत्र तथा वर्षभर की अनुकरणीय लोक सेवा के लिए ट्रॉफियों से सम्मानित व्यक्तियों की सूची में डॉ. दिशा शर्मा, आईपीएस, डीसीपी (पूर्व)य श्रीमती शिल्पा कुमारी, जोनल अधिकारी, जोन 4, नगर निगमय श्री फरहान सिद्दीकी, एफ. ए. एंटरप्राइजेजय श्री अमित सिंह, कॉन्ट्रैक्टरय श्री कुलदीप सिंह, महाप्रबंधक, लखनऊ जल संस्थानय तथा श्री महेन्द्र, जोनल इंचार्ज, जल निगम शामिल रहे। अन्य कार्यक्रमों की व्यस्तता के कारण उपस्थित न हो सके अधिकारियों के सम्मान उनकी ओर से श्री संजय निगम, सचिव, गोमती नगर जन कल्याण महासमिति ने ग्रहण किए।

प्रमुख प्रतिभागियों में श्री पी.के. सिंह, श्री टी.पी. भंडारी, श्री गोकर्ण सिंह, श्री एस.एन. पाण्डेय, श्री एस. एन. सिंह, श्री अवध नरेश तिवारी, श्री जय नारायण सिंह, श्री शिवम गुप्ता एवं श्री आशीष यादव अपने परिवारों सहित तथा अन्य निवासी एवं सामुदायिक हितधारक शामिल रहे। मंच संचालन श्री संजय निगम ने किया। उपस्थित जनसमुदाय ने लखनऊ में व्यापक विकास पहलों एवं अंतिम स्तर तक उनके तीव्र क्रियान्वयन के लिए माननीय रक्षा मंत्री एवं लखनऊ सांसद श्री राजनाथ सिंह जी तथा माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। सम्पूर्ण समारोह कार्यक्रम, सम्मान, पुरस्कार, आतिथ्य एवं व्यवस्थाएँकृ श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित था। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रदेश के दस लाख बच्चों को जल्द मिलेंगे जूते–ड्रेस खरीदने के पैसे, इन 52 स्कूलों में बनेंगे मिनी स्टेडियम

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे 10 लाख और बच्चों को ड्रेस, जूते–मोजे खरीदने के लिए जल्द 1200–1200 रुपये डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) किए जाएंगे। अभिभावकों के बैंक खाते में यह राशि भेजी जाएगी। शिक्षक –अभिभावकों को इससे ड्रेस व अन्य सामग्री खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे। शिक्षक–अभिभावक बैठकों में वह इसके बारे में जानकारी भी लेंगे। परिषदीय स्कूलों में 1.25 करोड़ से अधिक बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा विभाग ने पहले चरण में 1.10 करोड़ बच्चों को ड्रेस, जूते–मोजे, स्कूली बैग व स्टेशनरी इत्यादि खरीदने के लिए अभिभावकों के खाते में पैसे भेजे थे। विद्यालयों में हर साल नए बच्चे प्रवेश लेते हैं। परिषदीय स्कूलों में नामांकन को बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। 15 लाख छात्रों के अभिभावकों के बैंक खाते आधार से लिंक कराने व अन्य दस्तावेज पूरे किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। सत्यापन के बाद इन्हें भी ड्रेस व जूते–मोजे आदि खरीदने को पैसा दिया जाएगा। प्रदेश के विद्यालयों में पढ़ने वाले हजार रुपये की खेलकूद सामग्री खरीदी गई है। दूसरी तरफ जिला, मंडल व राज्य स्तर पर प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अब विभाग

बच्चे अब सिर्फ पढ़ाई ही नहीं बल्कि खेल में भी खिलेंगे। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बनवाए जा रहे 52 सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय परिसर में मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए कार्यदायी संस्थाओं का चयन भी कर दिया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से सभी विद्यालयों में पांच–पांच प्रदेश में नए बन रहे 52 सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के परिसर में खाली जमीन पर मिनी स्टेडियम का निर्माण कराएगा। बेसिक शिक्षा विभाग के उप सचिव शंभू प्रसाद ने महानिदेशक स्कूल शिक्षा को भेजे पत्र में बताया है कि निर्माण के लिए सीएंडडीएस, यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड है।

धार्मिक यात्रा पर भारत आई श्रीलंकाई महिला की बस में अचानक मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रीलंका से धार्मिक यात्रा पर भारत आई एक महिला दर्शनार्थी की शनिवार को टूरिस्ट बस में तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। 46 यात्रियों का समूह नेपाल के लुंबिनी से भगवान बुद्ध की तपोस्थली श्रावस्ती जा रहा था। श्रावस्ती पहुंचने से कुछ किलोमीटर पहले बलरामपुर की सीमा के अंदर महिला के सीने में अचानक तेज दर्द उठा। साथ चल रही श्रीलंकाई महिला स्वास्थ्यकर्मी ने उसे सीपीआर दिया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। मृतका की पहचान कहापोला अदा रैचिगे (56) पत्नी तुसारी इनौका, निवासी कालूबौला, श्रीलंका के रूप में हुई है। महिला की मौत से सहयात्रियों में मायूसी छा गई। सहयात्रियों ने बताया कि यात्रा के छह दिन अभी बाकी थे। समूह को 22 अगस्त को दिल्ली से श्रीलंका लौटना था। बस चालक मुकेश के अनुसार, समूह भोपाल से यात्रा पर निकला था। अब तक यात्री भोपाल, सांची, कौशांबी, वाराणसी, गया, कुशीनगर, वैशाली और नेपाल के लुंबिनी का भ्रमण कर चुके थे। शनिवार सुबह लुंबिनी से श्रावस्ती के लिए रवाना हुए थे। तबीयत बिगड़ने पर बस को बलरामपुर जिला मेमोरियल चिकित्सालय लाया गया। इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने बताया कि महिला की मौत अस्पताल आने से पहले हो चुकी थी।

संक्षिप्त खबरें

खेलते-खेलते तालाब में गिरा डेढ़ साल का मासूम, डूबने से मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के बाराबंकी में शनिवार को खेलते समय तालाब में गिरने से डेढ़ साल के मासूम की मौत हो गई। घटना से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। मौजूद लोग परेशान परिजनों को ढांढस बंधाते रहे। घटना रामनगर कोतवाली इलाके के भैसुरिया की है। यहां के निवासी सिराज का करीब डेढ़ वर्षीय पुत्र निहाल शाम घर के सामने खेल रहा था। खेलते–खेलते वह तालाब की ओर पहुंच गया। वहां पर तालाब में गिर गया। परिजनों को जानकारी हुई तो वह उसे तालाब से निकालकर आनन–फानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रामनगर लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया तालाब में डूबने के कारण बच्चे की मौत हुई है। कोतवाल अरुण प्रताप सिंह ने बताया घर के बाहर ही तालाब है। उसमें डूबने से मासूम की मौत हुई है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

नदी में उतराता मिला तीन दिन से लापता युवक का शव

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के गोंडा में तीन दिन से लापता युवक का शव शनिवार को नदी में उतराता मिला। मौके पर पहुंची दो थानों की पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना मोतीगंज थाना क्षेत्र के काशीपुरवा गांव के पास की है। यहां बिसुही नदी में सुधई (45) का शव उतराता हुआ मिला। वह धानेपुर थाना क्षेत्र के खरिहा उज्जैनी कला के रहने वाले थे। 12 अगस्त की सुबह करीब 8.00 बजे घर से गोंडा कचहरी जाने की बात कहकर निकले थे, तब से लापता थे। पत्नी संजू ने 14 अगस्त को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। इसी बीच शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने बिसुही नदी में शव उतराता देखा। सूचना पर धानेपुर थानाध्यक्ष विपुल पांडेय और मोतीगंज थानाध्यक्ष तेजनारायण गुप्त पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को नदी से बाहर निकलवाया गया। परिजनों ने शव की पहचान सुधई के रूप में की। मोतीगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। धानेपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि शव की पहचान परिजनों से करा ली गई है। मौत के कारणों की स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगी।

संक्षिप्त खबरें

पशुओं में फैल सकती है लंपी बीमारी, यूपी सरकार ने पशुपालकों को किया अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी में पशुपालन विभाग ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने पशुओं में लंपी स्किन डिजीज के संभावित लक्षणों पर विशेष निगरानी रखें। संदिग्ध लक्षण दिखाई देने पर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। समय से रोग की पहचान और आवश्यक नियंत्रण उपायों से पशुधन को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। विभाग के अनुसार, लंपी स्किन डिजीज के प्रमुख लक्षणों में तेज बुखार, त्वचा पर गोल एवं कठोर गांठें, आंख एवं नाक से स्राव, अत्यधिक लार आना, भूख में कमी, शरीर एवं पैरों में सूजन, दूध उत्पादन में कमी, कमजोरी तथा चलने में कठिनाई शामिल हैं। यदि किसी पशु में इनमें से कोई लक्षण दिखाई दे तो पशुपालक तत्काल प्रभावित पशु को अन्य पशुओं से अलग रखें। बिना पशु चिकित्सक की सलाह के किसी प्रकार का उपचार न करें। विभाग ने पशुपालकों से कहा है कि संदिग्ध पशु की सूचना अपने जनपद के विकास भवन स्थित मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय तथा नजदीकी पशु चिकित्सालय को तत्काल दें। इसके अतिरिक्त विभाग की टोल–फ्री हेल्पलाइन 18001805141 पर भी सूचना उपलब्ध कराई जा सकती है। प्राप्त सूचना के आधार पर पशुपालन विभाग द्वारा जांच, उपचार एवं आवश्यक रोग नियंत्रण की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने पशुपालकों से अपील की है कि वे पशुओं के स्वास्थ्य पर नियमित निगरानी रखें और रोग के संभावित लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

पैसा बांटना समाधान नहीं रोजगार और आत्मनिर्भरता है जरूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा कि देश की आजादी के लिए जिन लोगों ने तलवार और तोप का सामना किया, फांसी पर चढ़े और अपना सबकुछ गंवाया, उनके लिए पिछली सरकारों ने कुछ नहीं किया। अंग्रेजों और मुगलों के दौर में विस्थापित हुए ऐसे लोगों को स्थापित करने और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए एनडीए सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जो निर्बल हैं, उन्हें सबल बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। संजय निषाद ने कहा कि आज स्वतंत्रता दिवस है, लेकिन पूर्व की सरकारों में कुछ लोगों ने सत्ता और अवसर मिलने के बाद भी आजादी का महत्व नहीं समझा। देश को आजाद कराने और संविधान निर्माण की राह तैयार करने में जिन उजड़े–बिखरे लोगों का योगदान रहा, सत्ता में रहने वालों ने उनकी सुध नहीं ली थी। लेकिन अब हमारी सरकार में इन सभी को अवसर मिले हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए निषाद ने कहा कि सत्ता में रहते उन्होंने शहीदों को याद किया होता, तिरंगा यात्रा निकाली होती और देश की आजादी के लिए संघर्ष करने वाली उजड़ी जातियों के उत्थान के लिए काम किया होता तो उसका महत्व होता। अब एनडीए सरकार ऐसे समाज को सम्मान देने और आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने सपा पर महिलाओं की उपेक्षा का भी आरोप लगाया। कहा कि जब सपा सत्ता में थी, तब महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया गया। ऐसे में अब उनसे किसी बड़े बदलाव की उम्मीद कैसे की जा सकती है। संजय निषाद ने कहा कि लोगों को केवल पैसा बांटने के बजाय ऐसी व्यवस्था की जरूरत है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए।

प्राइमरी टीचरों के ट्रांसफर में हाईकोर्ट की दो टूक, कहा– पसंद का स्कूल मांगना शिक्षक का अधिकार नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के आदेश से प्राथमिक शिक्षकों की अंतरजनपदीय तबादला नीति का रास्ता साफ हो गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक अपनी पसंद के किसी विशेष स्कूल में तैनाती का दावा नहीं कर सकते। न्यायालय ने कहा कि तबादला नीति के तहत शिक्षक के आवेदन पर जिले के स्तर पर विचार किया जाएगा, किसी खास विद्यालय में नियुक्ति का अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश ऋषी कटियार सहित तीन शिक्षकों की याचिकाएं खारिज करते हुए पारित किया। इन याचिकाओं में 22 जून 2026 के शासनादेश के तहत तबादलों के लिए निर्धारित जिलेवार छात्र–शिक्षक अनुपात (पीटीआर) को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अनुसार, पीटीआर का निर्धारण विद्यालय और कक्षा के आधार पर होना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि जिलेवार पीटीआर तय होने से शिक्षकों को यह स्पष्ट नहीं हो पाएगा कि उन्हें तबादले के लिए किस स्थान पर आवेदन करना चाहिए। न्यायालय ने इन दलीलों को अस्वीकार कर दिया। पीठ ने कहा कि आरटीई के तहत विद्यालयों में शिक्षकों की संख्या निर्धारित करने वाला पीटीआर और तबादलों के लिए सरकार द्वारा तैयार जिलेवार पीटीआर के उद्देश्य अलग–अलग हैं। तबादलों के लिए पीटीआर का उद्देश्य केवल यह निर्धारित करना है कि किन जिलों में शिक्षकों को भेजा जा सकता है। इससे विद्यालयों में आरटीई के अनुसार शिक्षक–छात्र अनुपात बनाए रखने की व्यवस्था प्रभावित नहीं होती। चार जून 2026 की तबादला नीति में विशेष परिस्थितियों में अंतरजनपदीय तबादलों का प्रावधान है। इसमें उन पति–पत्नी के मामलों को भी शामिल किया गया है, जो दोनों बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक हैं और अलग–अलग जिलों में तैनात हैं। कम पीटीआर वाले जिलों में ऐसे आवेदनों पर विचार किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि शिक्षकों को तबादले का कोई स्वतः प्राप्त वैधानिक अधिकार नहीं है। तबादले का अवसर राज्य सरकार की नीति के तहत ही मिलता है। इसलिए, नीति में जिले के स्तर पर आवेदन पर विचार का प्रावधान होने के बावजूद, शिक्षक किसी खास विद्यालय में नियुक्ति की मांग नहीं कर सकते।

यूपी के कई जिलों में झमाझम बारिश, राजधानी की सड़कें पानी से लबालब

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ने से रविवार को कई जिलों में बारिश हुई। श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली और पीलीभीत में कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश हुई। राजधानी लखनऊ में भी अच्छी बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। कई इलाकों में मौसम सुहाना रहा। मौसम विभाग ने 16 से 17 अगस्त के दौरान बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, देवरिया, गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुलतानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, बिजनौर, शाहजहांपुर, संभल और बदायूं समेत 28 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। 17 से 18 अगस्त के दौरान तराई क्षेत्र में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी गरज–चमक के साथ बारिश हो सकती है। बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन सकती है। राजधानी लखनऊ में रविवार सुबह हुई जोरदार बारिश से शहर पानी–पानी दिखा। एक तरफ लोगों को उमस से राहत मिली, तो

दूसरी तरफ शहर के कई इलाकों में जलभराव की समस्या खड़ी हो गई। लोगों को आवागमन में परेशानियां झेलनी पड़ीं। कुर्सी रोड में चार नंबर चौराहे से जानकीपुरम के छुईया पुरवा चौराहे की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर दो से तीन फीट तक पानी भर गया। जलभराव इतना अधिक था कि पानी डिवाइडर तक पहुंच गया। सड़क पर पानी भरने से राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन पानी में पहुंचते ही बंद हो गए। इसके बाद वाहन चालकों को अपने वाहन पैदल खींचकर सुरक्षित स्थान तक ले जाते देखा गया। जलभराव के कारण इस मार्ग पर यातायात भी प्रभावित हुआ। बारिश का पानी सड़क पर जमा होने से आवागमन प्रभावित होता है ।

दो बाइकों की सीधी भिड़ंत, दो युवकों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में शनिवार को दो बाइकों की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि, एक घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना से घरों में चीख पुकार मच गई। हादसा ऊंचाहार क्षेत्र के अरखा प्लाई फैक्टरी के पास हुआ। बताया गया कि पूरे रक्षपाल मजरे अरखा गांव निवासी अभिषेक (18) पुत्र लक्ष्मन क्षेत्र के शिवमंगल मौर्य इंटर कालेज में पढ़ता था। इसी वर्ष इंटरमीडिएट पास की थी। इस समय वह घर पर ही खेती का काम करता था। बाइक से गांव के ही साथी साहिल (18) के साथ ऊंचाहार गया था। दोनों शाम को वापस घर लौट रहे थे। अरखा प्लाई फैक्टरी के पास इनकी बाइक की सीधी टक्कर दूसरी बाइक सवार मीरगंज मजरे बहेरवा निवासी पंकज कुमार (35) पुत्र राजाराम से हो गई। तीनों सड़क पर गिर गए। बाइक सवार हेलमेट नहीं पहने थे। इससे उनके सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को सीएचसी पहुंचाया। वहां से तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद अभिषेक व पंकज को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, घटनास्थल के आसपास खड़े डंपरों व उससे सड़क पर गिरती राख की वजह से हादसे हो रहे हैं। वाहन गुजरने से राख उड़ी, जो अभिषेक की आंख में पड़ गई। इससे उन्हें सामने कुछ नहीं दिखा और दुर्घटना हो गई। घटना से ग्रामीणों में नाराजगी है। वहीं कार्यवाहक कोतवाली प्रभारी संजय कुमार शर्मा ने बताया कि सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत हो गई है।

लाइलाज बीमारी से टूट गया 22 साल का नौजवान

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में लाइलाज बीमारी से परेशान युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना पर पहुंची जीआरपी और थाना पुलिस ने घटना की जानकारी ली। आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामला निगोहां थाना क्षेत्र के शेरपुर लवल गांव का है। गांव निवासी राजगीर मिस्त्री राममिलन के अनुसार, उनका बड़ा बेटा शिवम (22) काफी समय से लाइलाज बीमारी (ओरल कैंसर) से पीड़ित था। इलाज के बावजूद आराम न मिलने के कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगा था। शनिवार सुबह शौच की बात कहकर वह घर से निकला था। कुछ देर बाद श्रीराजनगर और निगोहां रेलवे स्टेशन के मध्य ट्रेन से कट जाने की सूचना मिली।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शिवम अचानक ट्रेन के आगे कूद गया। तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने इसकी सूचना जीआरपी और निगोहां पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जीआरपी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना से गांव में शोक का माहौल बना है। मां माधुरी और भाई करन का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक अविवाहित था। थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

तहसील सवायजपुर की नवागत एसडीएम शिवानी सिंह ने संभाला कार्यभार

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

पाली/ हरदोई। सवायजपुर की नवागत उपजिलाधिकारी शिवानी सिंह ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्रशासनिक कार्यों में सक्रियता दिखाते हुए जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। उनके कार्यालय में फरियाद लेकर पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए जा रहे हैं।एसडीएम शिवानी सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय से पहुंचे तथा आम जनता को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। राजस्व एवं जनसुनवाई से जुड़े मामलों में भी पारदर्शिता और समयबद्ध कार्यवाही को प्राथमिकता देने की बात कही गई है।

उनकी सक्रिय कार्यशैली से क्षेत्र में यह संदेश गया है कि प्रशासन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है। एसडीएम ने कहा कि जनता को न्याय दिलाना और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करना उनकी प्राथमिकता है। अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए क्षेत्र में कानून–व्यवस्था और विकास कार्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने नवागत एसडीएम की कुशल कार्यशैली की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इसी तरह सक्रियता के साथ जनसमस्याओं का समाधान होता रहेगा। आपको बता दें कि जनपद प्रयागराज निवासी नवागत उपजिलाधिकारी शिवानी सिंह 2022 बैच की पीसीएस अधिकारी है।आपकी ट्रेनिंग जौनपुर में तथा प्रथम ज्वाइनिंग वाराणसी में डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुई। जुलाई 2026 में हरदोई में डिप्टी कलेक्टर बनी शिवानी सिंह को तहसील शाहाबाद में उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बनाया गया। जिला प्रशासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए दो डिप्टी कलेक्टर की तैनाती में फेरबदल किया। आदेश के क्रम में शिवानी सिंह जो अब तक उपजिलाधिकारी (न्यायिक) शाहाबाद के पद पर तैनात थीं,अब उन्हें उपजिलाधिकारी तहसील सवायजपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं एसडीएम अंकित तिवारी जो सवायजपुर में एसडीएम की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्हें अब उपजिलाधिकारी (न्यायिक) शाहाबाद बनाया गया है।

स्वच्छता और सुरक्षा के संकल्प के साथ मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस

लखनऊ। सुएज इंडिया की ओर से भरवारा स्थित 345 एमएलडी एसटीपी परिसर में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। समारोह में सुएज इंडिया के 600 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक राजेश मठपाल ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा के साथ निभाने की प्रेरणा देती है।

समारोह के दौरान परियोजना निदेशक ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य करने तथा लखनऊ को स्वच्छ और स्वस्थ बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित कार्यप्रणाली के साथ नागरिकों को बेहतर सीवर सेवाएं उपलब्ध कराना और शहर को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देशहित, सुरक्षा, स्वच्छता और नागरिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान इस बार 3 सितंबर को

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोहष् कार्यक्रम को लेकर सपा शिक्षक सभा के जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह की अध्यक्षता एवं डॉ घनश्याम यादव के संचालन में चयन समिति की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह वर्ष 2012 से प्रत्येक वर्ष शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर चयन समिति द्वारा चुने गए पांच शिक्षकों को श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह निरंतर मिलता है, लेकिन इस वर्ष 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी होने के कारण निर्णय लिया गया कि एक दिन पहले 3 सितंबर दिन गुरुवार को दिन में 1रू00 बजे पार्टी कार्यालय गुलाब बाड़ी लोहिया भवन पर शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें चुने गए शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा महासचिव डॉ. घनश्याम यादव ने कहा श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव शिक्षक सम्मान समारोह की स्थापना पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन द्वारा 2012 में स्थापित की गई थी और तभी से प्रत्येक वर्ष शिक्षकों के सम्मान और उत्साह वर्धन करने के लिए शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर उनको सम्मानित करने के लिए यह आयोजन किया जाता है।इस अवसर पर विमल सिंह यादव, रणधीर सिंह, तहसीलदार सिंह, डॉक्टर हनुमान प्रसाद मिश्रा, रमेश सिंह, आनंद कुमार शुक्ला, सुरेश कुमार, अमरनाथ वर्मा, प्रदीप कुमार तिवारी, डॉक्टर श्याम प्रकाश वर्मा, डॉक्टर अवनीश प्रताप सिंह, पंकज कुमार यादव, दलसिंगार गौड़, जयप्रकाश चौरसिया, अशोक कुमार साहनी, अनिल कुमार वर्मा, राम कैलाश यादव सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित रहे।

युवाओं को देश की तरक्की के लिए आगे आना होगा ....मनोज वर्मा

हमारा देश अनेको चुनौतियों का सामना करते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसे बरकरार रखने के लिए युवाओ को और ज्यादा मशक्कत करनी पड़ेगी। ये बात लखनऊ सिविल डिफेंस के अधिकारी मनोज वर्मा ने उन्नाव जिले के विवेकानंद बालिका इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कही।

मियागंज स्थित विवेकानंद बालिका इंटर कॉलेज में प्रतिवर्ष की भांति धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय की प्रबंधिका सविता सिंह व प्रधानाचार्या गरिमा सिंह की उपस्थिति में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पदक से अलंकृत सिविल डिफेंस लखनऊ के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात सभी ने राष्ट्रगान गाया। मुख्य अतिथि मनोज वर्मा का अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने आजादी के महत्व पर प्रकाश डाला, साथ ही छात्र छात्राओं से मोबाइल रूपी दासता से आजादी प्राप्त करने का आह्वाहन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ शरद गुप्ता ने युवाओं ने बढ़ रही नशाखोरी पर चिंता जाहिर की और इससे दूरी बनाने को कहा। उन्होंने फास्ट फूड के दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला। इसके बाद विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दरमियान देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां दीं। एक पेड़ मां के नाम नाट्य के द्वारा पेड़ो की महिमा और मौजूदगी का संदेश दिया, साथ ही स्वच्छता पर भी नाट्य प्रस्तुति के द्वारा बड़ा संदेश दिया। विद्यालय के होनहार बच्चों के द्वारा इस अवसर पर भाषण भी दिए गए। बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया।

अंत में प्रधानाचार्या गरिमा सिंह ने विद्यालय की सालभर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, जबकि प्रबंधिका श्रीमती सविता सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया। छात्रा अंशिका शर्मा ने संचालन किया। इस अवसर पर विद्यालय की रीना राय, अनुभा सिंह, सुचित्रा सिंह, शशि प्रभा, शालिनी सिंह, शोइबा, मानसी, रेखा पाल सहित मंदाकिनी गुप्ता, निशा सिंह, शैल वर्मा श्शालूश, डॉ राका रानी जैन, शान्तनु सिंह, संजना श्रीवास्तव, पूनम चौधरी, मृदुला अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

पुरानी रंजिश को लेकर हसिये से हाथ काटने व छिपाने के आरोप में गोसाईगंज पुलिस ने किया तीन आरोपियों को गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गोसाईगंज पुलिस ने पुरानी रंजिश को लेकर हाथ काटने व छिपाने के आरोप में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना गोसाईगंज अभिमन्यु शुक्ला ने बताया कि एक मामले मे वादी ग्राम लंगडातर सरैया थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या के पुत्र को पुरानी रंजिश को लेकर मारने पीटने, भद्दी–भद्दी गालियां देने व जान से मारने की धमकी देने तथा धारदार हथियार(हसियां) से हाथ काट कर अलग कर छिपा देने के मामले में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान प्रकाश पुत्र स्व0 कुमारे,गौतम पुत्र रामवृक्ष व पिन्टू पुत्र प्रकाश निवासीगण लंगड़ातर सरैया थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या को शनिवार को लंगड़ातर सरैया थाना गोसाईगंज जनपद अयोध्या से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।गिरफ्तार किये गये आरोपियों की निशानदेही पर मजरूब का कटा हुआ बायां हाथ व घटना मे प्रयुक्त हसियाँ तथा मोटरसाईकिल बरामद किया गया। किनारे उपयोग को तथा घटना का खुलासा करने में उनके अलावा वरिष्ठ उप निरीक्षक शेषनाथ सिंह, उप निरीक्षक जितेंद्र यादव, उप निरीक्षक कमलेश कुमार, हेड कांस्टेबल अरविंद सरोज, कांस्टेबल प्रदीप चौहान सहित अन्य पुलिस कर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

छत्तीसगढ़ से आये श्रद्धालु का खोया हुआ पर्स जिसमें फोन और नगदी को आधे घण्टे के अन्दर श्रद्धालु को वापस कर किया सराहनीय कार्य

अयोध्या। सोमवार को श्रद्धालु प्रशांत अग्रवाल जो वर्धा राज्य–छत्तीसगढ़ से अपने परिवार के साथ अयोध्या धाम घूमने आए थे।सरयू पर स्नान करने के दौरान उनका बैग खो गया था।बताया कि उसमें फोन सहित रू25000 नगद रेलवे टिकट रखा हुआ था जो कहीं खो गया था जिसकी सूचना उन्होंने तत्काल ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों को दिया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली अयोध्या पंकज सिंह ने बताया कि इसकी सूचना मिलने पर मुख्य आरक्षी सूर्यप्रकाश चतुर्वेदी व मुख्य आरक्षी प्रमोद यादव द्वारा तत्परता से काम करते हुए येलोजोन में लगे सीसीटीवी फुटेज की सहायता से खोया हुआ बैग व सारा सामान महज आधे घण्टे के अन्दर बरामद कर श्रद्धालु को वापस दिया गया।अपना बैग व सारा सामान वापस पाकर श्रद्धालु व उनके परिवारजन ने थाना को० अयोध्या पुलिस व जनपद अयोध्या पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा कर सहृदय धन्यवाद दिया।

साकेतपुरी में महापौर ने किया अटल बिहारी की प्रतिमा का भव्य अनावरण

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर देर शाम अयोध्या नगर निगम के तत्वाधान में साकेतपुरी वार्ड में विकसित अटल पार्क में उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने समारोह पूर्वक किया। अटल जी की प्रतिमा का अनावरण अयोध्या में उनके विचारों, आदर्शों और राष्ट्रसेवा की भावना को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम का समापन अटल बिहारी वाजपेयी जी के आदर्शों पर चलने और राष्ट्रहित में उनके योगदान को सदैव स्मरण रखने के संकल्प के साथ हुआ। कार्यक्रम के दौरान महापौर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति में शुचिता, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रहित की भावना के पर्याय रहे। उन्होंने राजनीति मैं नैतिकता को नई ऊंचाई प्रदान की। उनके विचार और आदर्श आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, नगर निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धेय अटल जी को विनम्र श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह, नगर आयुक्त श्री जयेन्द्र कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, मंडल अध्यक्ष हेमंत जायसवाल, रवि सोनकर, नगर निगम के उपसभापति संतोष सिंह, पार्षद चंदन सिंह, सौरभ सूर्यवंशी, रमाशंकर निषाद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गिरीश पांडेय डिप्पुल, सुनील तिवारी शास्त्री, कृष्ण कुमार पांडेय खुन्नू, विशाल सिंह, आलोक द्विवेदी, इंजीनियर रवि तिवारी, दीपक शुक्ला, श्रीनिवास शास्त्री सहित नगर निगम के अधिकारी–कर्मचारी, सहयोगी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं, संघर्षरत को मिलती है सफलता – डा.मणि शंकर

(डॉक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। एसएसवी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ.मणि शंकर तिवारी ने कहा कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती है। जो संघर्ष करते हैं उन्हें सफलता मिलती ही है। डॉ. तिवारी विद्यालय के पंडित दीन दयाल सभागार में आयोजित मेधावी सम्मान और स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।सत्र 2025–26 की वार्षिक परीक्षा में कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा कि त्याग व समर्पण सीखना हो तो लाल बहादुर शास्त्री से और मातृभूमि से प्यार की पराकाष्ठा सीखनी है तो आजादी के क्रांतिकारियों से सीखना चाहिए। डॉ.तिवारी ने कहा कि सभी स्वतंत्र रहना चाहते हैं, लेकिन स्वतंत्रता के मूलमंत्र को नहीं समझ पाते हैं। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करें। देशभक्ति केवल स्वतंत्र दिवस मनाने से नहीं होती। बल्कि राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा, अनुशासन और कर्तव्य पालन से भी झलकती है। समारोह का शुभारंभ डॉ. तिवारी द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी देने के साथ हुआ। एनसीसी कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट उमाकांत भारती के कुशल नेतृत्व में अनुशासित मार्च पास्ट करते हुए तिरंगे को भव्य सलामी दी। विद्यालय के संगीत शिक्षक अनिल मिश्रा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का सफल एवं मनमोहक मंच संचालन विवेकानंद पाण्डेय ने किया। इस दौरान उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र देव तिवारी, जग प्रसाद मौर्या, अवधेश सिंह, वारिज नयन शर्मा, अरुण दुबे, देवेंद्र कुमार मिश्रा, जयेंद्र पाठक, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, मनीष सक्सेना सहित कई शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

समारोह में भाषण और काव्यपाठ प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। शिक्षक नंद किशोर उपाध्याय, अनुपम कुमार और आशीष द्विवेदी निर्णायक मंडल में शामिल रहे। सीनियर वर्ग गायन प्रतियोगिता में प्रथम तरंग मिश्रा, द्वितीय उमानाथ सिंह, तृतीय रितेश पासवान जबकि भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आर्यन अग्रहरि, द्वितीय गुलशन यादव और तृतीय मनीष गोस्वामी रहे। जूनियर वर्ग भाषण प्रतियोगिता में अंश अग्रहरि प्रथम और सूर्यांश सिंह द्वितीय घोषित किए गए। गायन प्रतियोगिता में यश भारती को प्रथम स्थान मिला। इस दौरान संगीत का सांस्कृतिक कार्यक्रम देने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

पहले दिन 12 बकायेदारों ने किया आवेदन, नगर निगम ने की लोगों से की लाभ उठाने की अपील

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। गृहकर और जलकर के बकायेदारों को राहत देने के लिए नगर निगम अयोध्या ने वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना शुरू कर दी है। योजना के तहत बकायेदारों को केवल मूलधन जमा करना होगा। मूलधन पर अब तक लगा ब्याज माफ कर दिया जाएगा। योजना के पहले ही दिन 12 बकायेदारों ने आवेदन कर इस योजना का लाभ

लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में जिन भवन स्वामियों पर गृहकर अथवा जलकर बकाया है, वे ओटीएस योजना के तहत अपना बकाया निस्तारित करा सकते हैं। मूलधन जमा किए जाने पर उस पर देय ब्याज को माफ करने का प्रावधान किया गया है। इससे लंबे समय से बकाया कर वाले नागरिकों को बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।योजना के शुभारंभ के पहले दिन नगर निगम सभागार में अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार और जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी की मौजूदगी में बकायेदारों से आवेदन लिए गए। अधिकारियों ने आवेदकों के प्रपत्रों की जांच कर उनका निस्तारण कराया और योजना की प्रक्रिया की जानकारी दी।

गजेंद्र कुमार ने बताया कि ओटीएस योजना से एक ओर जहां करदाताओं को बकाया ब्याज से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर नगर निगम के लंबित राजस्व की वसूली में तेजी आएगी। उन्होंने बकायेदारों से अपील की कि योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाते हुए समय रहते आवेदन करें और मूलधन जमा कर अपने बकाये का निस्तारण कराएं।

70 से अधिक गेहूं की किस्में विकसित कर चुके हैं कुलपति डा. ज्ञानेंद्र

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने विश्वविद्यालय के " रेडियो नरेंद्र " स्टेशन का शुभारंभ किया। इस मौके पर कुलपति ने अपना पहला इंटरव्यू दिया। इस दौरान कुलपति ने अपनी प्राथमिकताओं, उपलब्धियों, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता एवं छात्र–छात्राओं के रोजगार और उनके विकास आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।कुलपति राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, आई.सी.ए.आर नई दिल्ली एवं भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल के पूर्व निदेशक के प्रतिष्ठित पद पर कार्य कर चुके हैं। "श्री विज्ञान" पुरस्कार से राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हो चुके हैं। कुलपति ने अपने रेडियो इंटरव्यू में बताया कि वे 70 से अधिक गेहूं की किस्मों को किसानों के लिए विकसित कर चुके हैं जिसमें कई प्रजातियां किसानों में बहुत प्रचलित हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की गेहूं की किस्में अपने भारत वर्ष में 80 प्रतिशत क्षेत्रों में लगाई जाती हैं जिनका उत्पादन भी लगभग 85 प्रतिशत तक होता है। इसी कारण कुलपति को "व्हीट मैन ऑफ इंडिया" के नाम से जाना जाता है। पिछले 10 से 15 वर्षों में गेहूं के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं जिसमें भारत न सिर्फ आत्मनिर्भर बना है बल्कि एक प्रमुख निर्यातक के रूप में भी उभरा है। इसमें कुलपति डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह द्वारा विकसित किस्मों का अहम योगदान रहा है। कुलपति ने किसानों को धन्यवाद दिया जिनके अपनाने से ये किस्में सबसे अधिक प्रचलित हुईं।नई किस्मों के विकास पर कुलपति ने कहा कि समय–समय पर नए किस्मों का उत्थान नहीं होगा तो खाद्यान के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता खतरे में पड़ जायेगी। किसानों की जरूरत को देखते हुए बदलाव जरूरी है।पढाई के साथ–साथ छात्रों को फिल्ड में भी तैयार करने पर उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम को कड़ाई से लागू किया जाए। किताबी ज्ञान के साथ–साथ फिल्ड का ज्ञान होना जरूरी है। कहा कि शिक्षण के क्षेत्र में शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी, शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक परिवर्तन जरूरी है। नई कृषि शिक्षा नीति में डिग्री के साथ इंटरपेन्योरशिप, स्किल डेवलेपमेंट पर भी जोर दिया गया है। प्रशासन में पारदर्शिता पर कुलपति ने कहा कि बेहतर फैसला होना चाहिए जिसमें जवाबदेही और पारदर्शिता हो जिससे कोई प्रभावित न हो और दूसरों के हित में हो। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय में शोध का कार्य पिछड़ा हुआ है जिसे सुदृढ़ करना जरूरी है। इससे आसपास के किसान विवि द्वारा उत्पादित बीजों का प्रयोग कर सकेंगे और इसका लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कृषि का विकास हुआ है उसी तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि फले–फुले यह सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। विश्वविद्यालय में कई वर्षों से पड़ी समस्याओं पर कुलपति ने कहा कि वो समय–समय पर छात्रों– शिक्षकों एवं कर्मचारियों से सीधा संवाद कर रहे हैं और उनका पूरा प्रयास है कि वे जल्द से जल्द समस्याओं को दूर करके एक साथ आगे बढ़ेंगे। छात्र कहीं भी जाएं अनुशासित रहें और समाज व कानून का पालन करें। कृषि विवि में पढ़ने वाले 80 फीसद छात्र–छात्राएं ग्रामीण परिवेश से आते हैं। छात्रों को अपने माता–पिता के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस पर 51 मीटर तिरंगे संग निकली भव्य प्रभात फेरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर धूमधाम से प्रभात फेरियां निकालकर गोष्ठियों का आयोजन विभिन्न संस्थानों द्वारा किया गया। देशभक्ति के रंगों में पूरा क्षेत्र रंग गया। शान से तिरंगा फहराया गया जिसे देशप्रेमियों ने सलामी दी। क्षेत्र में चर्चा का विषय 51 मीटर के तिरंगे के साथ आयोजित रैली बनी रही।थाना क्षेत्र हैदरगंज के जाना बाजार एस.एन. जूनियर हाई स्कूल, सूर्य श्याम पब्लिक स्कूल, मदरसा, पूर्वी ग्रामीण बैंक जाना बाजार सहित ग्राम पंचायतों के भवनों, प्राथमिक विद्यालयों व सरकारी–गैर सरकारी संस्थानों में 15 अगस्त के अवसर पर आजादी का जश्न छात्रों, युवाओं सहित देश प्रेमियों के सिर चढ़कर बोल गया।वहीं कल्पना शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान सराय मनोधर, राजा अखंड प्रताप सिंह महाविद्यालय, इंटर कॉलेजों, बैंक ऑफ बड़ौदा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमवा, थाना हैदरगंज, प्राथमिक उपकेंद्र सहित सभी संस्थानों पर जमकर तिरंगा फहराया गया।विशेष आकर्षण का केंद्र

सुमित्रा बालिका कॉलेज, हैदरगंज बाजार की ओर से निकाली गई भव्य प्रभात फेरी एवं तिरंगा यात्रा रही। जो इक्यावन मीटर के तिरंगे के साथ डीजे की धुन पर गूंजते देशभक्ति गीतों और ष्भारत माता की जयष् के जयघोष के बीच रैली ने पूरे हैदरगंज बाजार को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।प्रभात फेरी में सुमित्रा बालिका कॉलेज के छात्र–छात्राओं के साथ सुमित्रा कॉलेज ऑफ फार्मेसी एवं सुमित्रा महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के दौरान विभिन्न चौराहों पर आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। देशभक्ति के नारों, तिरंगे और आकर्षक झांकियों से सजी प्रभात फेरी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य और यादगार बना दिया।कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक राजकुमार श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य श्रीमती नीलम श्रीवास्तव' एवं डायरेक्टर अंकित श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर शिक्षक–शिक्षिकाओं में 'विवेक शर्मा, रामस्वरूप पांडेय, विजय गिरि, राहुल अग्रहरि, मनोज पांडेय, रामजीत, पवन शर्मा, विपिन मिश्रा, उषा पांडेय, नीलम पांडेय, मधुलिका दुबे, मंजू पांडेय, दीक्षा सिंह एवं दीक्षा अग्रहरि सहित अन्य शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।